रामप्रसाद शर्मा
7 जुलाई १९८२ → आज दि० ०८-०७-१९८२

डीरेकामें केबुल बिछानेके नामपर अधिकारियों द्वारा घोटाला

वाराणसी, ७ जुलाई। डीजल रेल कारखानेके मुख्य द्वारके सामने स्थित बेसिक ट्रेनिंग स्कूलसे लेकर स्टाफ क्लब तक तथा बी० टी० डब्ल्यू से मुख्यद्वार तक भूमिगत तार बैठानेके नामपर यहांके कतिपय अधिकारियों द्वारा लाखों रुपये का घोटाला किये जानेका समाचार मिला है।

प्राप्त जानकारीके अनुसार उक्त घोटालेकी जांचके बाद केंद्रीय सतर्कता विभागने यहांके पांच अधिकारियोंको दोषी करार देते हुए मुख्य रूपसे तीन आरोप स्थापित किये हैं। विश्वस्त सूत्रोंके अनुसार सतर्कता विभागने अपनी जांच रिपोर्टमें कहा है कि केबुल बैठाने के लिए प्रशासनके आदेशोंकी अवहेलना कर कम लम्बाईकी नाली खोदी गयी है।

रिपोर्टमें आगे कहा गया है कि केबिलमें प्रारम्भिक ज्वाइंटके पास चारसे पांच मीटर लम्बे तार की रिंग लपेटी जानी चाहिए किन्तु इसमें ऐसा न कर इसे सीधे छोड़ दिया गया है, जबकि कागजपर इन रिंगों (मुद्रिकाओं) में व्यय तारका उल्लेख कराकर सम्बन्धित कम्पनीको उसका पूरा भुगतान करा दिया गया है।

इसी प्रकार रिपोर्टमें यह भी कहा गया है कि कम्पनीके साथ हुई संविदामें जितना लम्बा केबुल बैठानेकी बात की गयी थी उतना लम्बा न बैठाकर कम लम्बाईका केबुल बैठाया गया है जबकि भुगतान, संविदामें वर्णित लम्बाईके बराबरका किया गया है।

बताया जाता है कि उक्त केबुल बैठानेके लिए डीरेका प्रशासन व वाराणसीकी एक इलेक्ट्रिकल कम्पनीके बीच एक संविदा हुई थी। इस संविदामें केबुल बैठानेके कार्यका एक प्रारूप दिया गया था किन्तु अधिकारियोंने कम्पनीकी मिली भगतसे इस प्रारूपको ताकपर रखकर भारी अनियमितताओंके साथ कार्य कराया और लाखों रुपये हड़प गये।

अधिकारियों द्वारा खेली गयी इस पापड़का रहस्य उस समय खुला जब एक वायरमैन, खराब हो गयी केबुलमें कनेक्शन देने गया। वायरमैनने पाया कि ज्वाइंटपर कहीं भी रिंग नहीं लगायी गयी है। बताया जाता है कि वायरमैनने रिंग न पानेपर केबुलसे खम्भे तकका कनेक्शन डाइरेक्ट कर दिया और इसकी शिकायत किसीने नहीं की किन्तु बादमें इस बातका पता कुछ अन्य लोगोंको लग गया और इसपर केन्द्रीय सतर्कता विभागकी जांच बैठा दी गयी।

कहा जाता है कि जिन स्थानों पर एक हजार मीटर केबुलकी आवश्यकता थी वहां केवल छह सौ या सात सौ मीटर केबुल ही बिछाया गया है जबकि कम्पनीको पूरे एक हजार मीटरका भुगतान प्रदान कराया गया है। इस प्रकार हजारों मीटर केबुलके लाखों रुपये अधिकारियों व कम्पनीने हड़प कर लिया है।

यह भी पता चला है कि सतर्कता विभागकी रिपोर्टके बाद विभागीय स्तरपर भी इस मामले की जांच की जायेगी और तभी अन्तिम निर्णय हो सकेगा। खबर है कि इस जांचमें मामलेको दबाने का पूरा मसौदा तैयार किया जा रहा है। घोटालेमें सर्वप्रमुख भूमिका अदा करनेवाले एक अधिकारीने वालन्टरी रिटायरमेन्ट ले लिया है। शेष चारके लिए चार्जशीट तैयार हो चुकी है जो शीघ्र ही उन्हें प्रदान कर दी जायगी।

सतर्कता विभाग द्वारा ५ अधिकारी दोषी करार

छात्र जनता लोकनायककी संपूर्ण क्रांतिका विनम्र वारिस

जयप्रकाशमें आस्था होनेपर मेनकाका स्वागत

वाराणसी, ७ जुलाई। छात्र जनताके राष्ट्रीय संयुक्त संयोजक ... स्थानोंपर स्थित भवनोंके किराये ...

सर्प काटनेसे दो युवतियोंकी मृत्यु

वाराणसी, ७ जुलाई। मु[illegible]-थाना क्षेत्रमें गत रविवारको एक युवतीको सर्पने काट खाया। चिल्लाहट और शोरगुलपर युवती की जेठानी जब वहां पहुंची तो

असन्तुष्ट हैं जो परीक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। इस आशयकी जानकारी शासनको दी जा चुकी है।

डा० गौरी शंकरने बताया कि समस्त केन्द्रोंसे सम्बद्ध जिलाधिकारियोंसे परीक्षा केन्द्रों पर प्रभावकारी सुरक्षा व्यवस्था सुलभ करने का अनुरोध किया गया है। परीक्षा में नकल रोकने हेतु उड़ाकादलोंकी भी व्यवस्था की गयी है।

उन्होंने बताया कि परीक्षा

फल सब्जीमंडी हटानेके विरोधमें अनशन जारी

वाराणसी, ११ जुलाई। फलमण्डी स्थानान्तरण के विरोधमें पैकार संघ द्वारा चलाया जा रहा क्रमिक अनशन आज बारहवें दिन भी जारी है। अनशनपर बैठनेवाले में श्री श्यामलाल एवं छोटेलाल हैं।

पैकार संघके प्रादेशीय अध्यक्ष श्री सुन्दर सिंहने चेतावनी दी है कि अगर ज़बर्दस्ती फलमण्डीका स्थानान्तरण किया गया तो हम लोग १४ जुलाईको लाटभैरो फलमण्डी गेटपर जिलाधिकारीके समक्ष धरना देंगे व अपनेको गिरफ्तार करायेंगे।

फल मजदूर यूनियन, फलमंडी लाटभैरो बाजारके महामंत्री श्री देवेन्द्रनाथ मिश्रने फलमंडी लाटभैरो बाजारसे पहड़िया ले जानेकी निन्दा करते हुए कहा है कि फलमण्डी पहड़िया चले जानेसे हजारों मजदूरोंके समक्ष भुखमरीकी स्थिति उत्पन्न हो जायगी।

जिलाधिकारी और मण्डी सचिवको पत्र लिखते हुए श्री मिश्र ने कहा है कि मजदूरोंके हितमें फलमण्डीका स्थानान्तरण रद्द किया जाय। अगर जबर्दस्ती फलमण्डीका स्थानान्तरण किया गया तो फल-मजदूर यूनियनके लोग जिलाधिकारीके समक्ष अहिंसात्मक ढंगसे आन्दोलन करनेको बाध्य होंगे।

दिया जिसमें ...

मारकर नूरको आहत कर दिया। घायलको अस्पतालमें भर्ती किया गया है।

गुप्त कोषाध्यक्ष पुन अतिरिक्त था ह व्यक्ति कार्यसमिति ... गये।

स्वामिभक्त अधिकारी बनाम घोटाला कांडका अभियुक्त

वाराणसी, ११ जुलाई। वह भारतमें घोषित आपातकालीन स्थितिका दौर था जब डीरेकाके कर्मचारियोंमें यहांके एक अधिकारी ने भारी दहशत फैलाकर शासन–प्रशासन द्वारा स्वामिभक्त अधिकारीकी खिताबके साथ ही गौरवपूर्ण प्रोन्नति भी हासिल कर ली अर्थात् इलेक्ट्रिकल फोरमैन (कालोनी) के पदसे सीधे उछलकर सहायक विद्युत अभियन्ताके पदपर पहुंच गया।

इस पद पर अपने कार्यकालके कुछ ही दिन गुजारनेके बाद उक्त अधिकारीने अपने प्रभावका गलत उपयोग करते हुए केबुल घोटाला कांडमें मुख्यभूमिका निभाई जिसका मामला पकड़े जानेके बाद उसके खिलाफ जांच हुई और आज वह इस स्थितिमें पहुंच गया है कि उसके खिलाफ लगाये गये आरोप सही पाये जा चुके हैं। डीरेका प्रशासन साहसबटोरकर उसे चार्जसीट कब, देने जा रहा है यही देखना है।

पांच गिरफ्तार

वाराणसी, ११ जुलाई। लंका पुलिसने छित्तूपुरके पास अवैध शराब ले जाते हुए एक व्यक्तिको धारा ६० एक्साइज-ऐक्टके अन्तर्गत गिरफ्तार किया है।

चेतगंज पुलिसने घोड़ा अस्पतालके पास दो व्यक्तियोंको २५ आर्म्स एक्टके अन्तर्गत गिरफ्तार कर एक-एक अदद चाकू बरामद किया है।

भेलूपुर पुलिसने आज दस टैम्पोका चालान विभिन्न आरोपों में किया है। पुलिसने अस्सी क्षेत्र में दो व्यक्तियोंको आपसमें मारपीट करके आरोपमें गिरफ्तार किया है।

अग्निकाण्डस हजारोंकीक्षति

वाराणसी, ११ जुलाई। गत रात्रि लगभग साढ़े बारह बजे जयनारायण कालेजके निकट एक मकानमें शार्ट सर्किटसे आग लगने से हजारों रुपयेकी सम्पत्ति जलकर स्वाहा हो गयी।

सूचना मिलनेपर भेलूपुर और चेतगंज अग्निशमन दलके जवान वहां पहुंचे और आग बुझानेका त्वरित उपक्रम किया किन्तु तबतक काफी कुछ सम्पत्ति जल चुकी थी। बहरहाल अग्निशमन दलका प्रयास सफल रहा और थोड़ी देर बाद आग बुझा ली गयी।

मारवाड़ी अस्पतालमें हड़ताल से कामकाज ठप

वाराणसी ११ जुलाई। गोदौलिया स्थित मारवाड़ी अस्पतालके कर्मचारियों द्वारा वेतन सम्बन्धी मांगोंको लेकर हड़ताल कर दिया ...

विभिन्न विसंगतियोंका जिक्र यहांके वरिष्ठ अधिकारियोंको ... करते हुए उन्होंने पत्र प्रतिनिधि से वार्ताके दौरान वि.वि. प्रश्न सत्र नियमन हेतु एक समान सत्र चलानेकी मांग की और कि इस उद्देश्यकी पूर्तिको रखते हुए परीक्षाफल शीघ्र करके कक्षायें यथाशीघ्र कर दी जानी चाहिए।

उन्होंने बताया कि ... गारपरक शिक्षा व्यवस्था प्रति कृतसंकल्प हूं। मैंने ... द्यालय अनुदान आयोगके इस सम्बन्धके बातचीत और उन्होंने उक्त शि... हेतु विशेष अनुदानकी ... प्रदान की है। मेरा प्र... कि उक्त शिक्षा व्यवस्था ... से लागू कर दी जाय ... किन्हीं कारणोंसे ऐसा ... हुआ तो अगले जुला... निश्चय ही लागू कर दी ...

श्रीमती पांडेयने भय... पीड़ित छात्रोंको आर्थिक ... प्रदान करने, नये प्रा... नियुक्ति तक अस्थायी प्रा... कार्य करने देने, विश्व... परिसरमें अपराध रोकने ... आयोग परीक्षाओंका के... विद्यालयमें करने, ...

मिनी ब... क्लीनर...

वाराणसी, १... चकिया थानान्तर्गत म... पास एक छोटी मिनी ब... उलट जाने क्लीनरकी ... पर मृत्यु हो गयी। दु... लोग आहत ... अस्पताल भी है

पाण्डेयने उसका पीछा कर उस पर बचोभा।

हम्प इंजनकी टक्करसे रक्षककी मृत्यु

मुगलसराय, ९ जुलाई। स्थानीय हम्प टावरके निकट कल यहां के हम्प कर्मचारियोंकी लापरवाही के कारण अचानक हम्प करनेसे रेलवे सुरक्षा दलके गंगाप्रसाद पांडेय नामक एक रक्षककी मृत्यु गयी।

रक्षकका दाह-संस्कार कल यहां मणिकर्णिका घाटपर वरिष्ठ अधिकारियों व रक्षकके सम्बन्धियों द्वारा किया गया।

डीरेकामें घोटालेकी जांच विभागीय स्तरपर हुई

वाराणसी, ९ जुलाई। डीजल रेल इंजन कारखानेके जनसम्पर्क अधिकारी श्री ज्योतिन्द्र सिंह सोहलने आज यहां स्पष्ट किया कि विभागके पांच अधिकारियों द्वारा विद्युत केबुल बंटानेमें किये गये घोटालेकी जांच केंद्रीय सतर्कता विभागने नहीं अपितु डीरेका प्रशासन द्वारा ही लगभग एक वर्ष पूर्व की गयी थी।

उन्होंने बताया कि मामलेका पर्दाफाश सम्बन्धित बिजली ठेकेदारको भुगतानके पूर्व ही हो गया था जिससे भुगतान रोक दिया गया और कारखानेको कोई क्षति नहीं होने पायी। दोषी लोगोंके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जा रही है।

प्रतिनिधिमण्डल कुलपतिसे मिला

वाराणसी, ९ जुलाई। बी० ए० फाइनलके परीक्षा सम्बन्धी समस्याको लेकर छात्र महासमिति के सदस्य अखिलेश्वर शर्माकी अध्यक्षतामें गत मंगलवारको छात्रोंका प्रतिनिधिमंडल कुलपतिसे मिला।

इसके पूर्व छात्रोंने राजा राममोहन राय छात्रावासमें एक बैठक करके यह निर्णय लिया कि यदि छात्रोंके भविष्यके साथ खिलवाड़ किया गया तो छात्र कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे।

दो दलोंके सशस्त्र संघर्षमें गोली लगनेसे पांच घायल

वाराणसी, ९ जुलाई। गाजीपुर जनपदके करण्डा थाना क्षेत्रान्तर्गत कटरिया गांवमें कल प्रातः हुए दो दलोंके सशस्त्र संघर्षमें गोलियों, बल्लम-भाले तथा अन्य धारदार हथियारोंका खुलकर प्रयोग किये जानेसे हरेन्द्र सिंह, कालका सिंह, प्रभंश सिंह, मनोज सिंह तथा दशरथ सिंह नामक पांच व्यक्ति घायल हो गये।

बताया जाता है कि उक्त दोनों पक्षोंके बीच एक मकानके मामलेको लेकर काफी दिनोंसे रंजिश चली आ रही थी। कल प्रातः आपसी गरमागरम कहासुनीने सशस्त्र संघर्षका रूप ले लिया। घायलोंमेंसे चारको गाजीपुर तथा एकको वाराणसीके शिवप्रसाद गुप्त चिकित्सालयमें उपचारार्थ भर्ती कराया गया है जिसमेंसे हरेन्द्र सिंह नामक युवककी हालत शिवप्रसाद गुप्त चिकित्सालयमें गम्भीर बतायी जा रही है। घटनाकी नामजद रिपोर्ट थानेमें दर्ज करायी गयी है।

प्रेमचन्द जयन्तीपर विविध आयोजन

वाराणसी, ९ जुलाई। हिन्दी साहित्य सम्राट मुंशी प्रेमचन्दकी १०२ वीं जयन्तीके उपलक्ष्यमें प्रेमचन्द संस्थानके तत्वावधानमें आगामी ३१ जुलाईको लमही ग्राममें आयोजन माला, 'सद्गति' नाटकका मंचन तथा अनेक प्रकार के सांस्कृतिक तथा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

उक्त जानकारी देते हुए श्री राजकुमार गौड़ 'विद्यार्थी' ने बताया कि व्याख्यान माला। प्रमुख रूपमें काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, काशी विद्यापीठ तथा सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयके तीनों कुलपति, उत्तर प्रदेशके शिक्षा मन्त्री चौधरी नौनिहाल सिंह, सूचना सचिव ठाकुर प्रसाद सिंह एवं जिले तथा प्रदेशके वरिष्ठ तथा स्थापित कवि और साहित्यकार भाग लेंगे।

जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालयपर प्रदर्शन आज

वाराणसी, ९ जुलाई। जिला राष्ट्रीय छात्र संगठन (इ) के उपाध्यक्ष अनिल चौबे एवं जिला युवक कांग्रेस (इ) के राजकुमार त्रिपाठी ने संयुक्त वक्तव्यमें बताया है कि प्राइवेट स्कूलों तथा अंग्रेजी माध्यमके स्कूलोंको बन्द करनेकी मांगको लेकर कल प्रातः दस बजे जिला विद्यालय निरीक्षकके कार्यालयपर प्रदर्शनका आयोजन किया गया है।

काला बिल दिवस सम्पन्न

वाराणसी, ९ जुलाई। केन्द्रीय कर्मचारी समन्वय समिति वाराणसी कर्मचारियोंने मानसून अधिवेशनका पहला दिन मजदूर विरोधी 'काला बिल' दिवसके रूपमें मनाया। कर्मचारियोंने चार प्रमुख प्रतिक्रियावादी काले विधेयक, विशेषतः औद्योगिक विवाद (संशोधन) बिल ८२ और ट्रेड यूनियन (संशोधन) बिल ८२ के खिलाफ अपनी आवाज बुलन्द की। एक प्रस्तावके माध्यमसे सरकारसे, इन चार प्रतिक्रियावादी काले विधेयकोंको वापस लेनेकी मांग की तथा सभी कर्मचारियों व मेहनतकश जनतासे, इन विधेयकोंको वापस लेने हेतु बहादुरीके साथ सरकारपर दबाव डालनेकी अपील की गयी।

एक अन्य प्रस्तावके माध्यमसे मुख्य वाणिज्य अधीक्षक कार्यालय एवं नार्दर्न रेलवे मेन्स यूनियनके नेता श्री अर्जुन चौबेके सेवा मुक्तिके आदेशको निरस्त करने तथा हरिश्चन्द्र श्रीवास्तवके मुअत्तली आदेशको वापस लेनेकी मांग की गयी।